शुक्रवार

18 जुलाई 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 162
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

33 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

नकली दवाईयों का कारोबारी गिरफ्तार

❑गिरोह के चार सदस्य पकड़े जा चुके है अब तक

हमारे संवाददाता

देहरादून। विभिन्न ब्रांडेड दवाई कंपनियों की जीवन रक्षक दवाइयों की हूबहू नकल कर नकली दवाईयां बनाने वाली फैक्ट्री मालिक को एसटीएफ ने गिरफ्तार कर लिया है। एसटीएफ द्वारा अब तक इस गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया जा चुका है। जो ट्रांसपोर्ट के माध्यम से विभिन्न राज्यों में इन नकली दवाओं के कारोबार में लिप्त थे।

एसएसपी एसटीएफ नवनीत सिंह भुल्लर द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि बीते माह 1 जून को सेलाकुई क्षेत्र में विभिन्न ब्रांडेड दवा कम्पनियों के रैपर के नकली आउटर बॉक्स, लेबल एंव क्यूआर कोड भारी मात्रा के साथ एक व्यक्ति संतोष कुमार को गिरफ्तार किया गया था। मामले में एसटीएफ द्वारा थाना सेलाकुई में मुकदमा दर्ज कराया गया था। बताया कि इस मुकदमें में एसटीएफ द्वारा पूर्व में 3 आरोपियों संतोष कुमार, नवीन बसंल व आदित्य काला को गिरफ्तार किया जा चुका है।

एसटीएफ टीम के लिए नकली दवाई बनाने वाली फैक्ट्री मालिक की तलाश कर उसके खिलाफ कार्यवाही करना एक चुनौती बन गया। वह घटना के बाद से ही फरार चल रहा था। पूर्व में गिरफ्तार किये जा चुके नवीन बसंल द्वारा पूछताछ में बताया था कि मैं सहसपुर क्षेत्र में स्थित डा. मित्तल लैबोरटीज प्राईवेट लिमिटेड व अन्य फैक्ट्री से नकली दवाईयां तैयार करवाता था और दवाईयों को ट्रांस्पोर्ट के माध्यम से हरियाणा,भिवाडी, राजस्थान आदि स्थानों में भिजवाता था। जिसके उपरान्त एसटीएफ टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद बीते रोज उस फैक्ट्री के फरार चल रहे मालिक देवी दयाल गुप्ता पुत्र स्व. बनारसी दास गुप्ता निवासी बी-3/70 अशोक विहार फेज-2 अशोक विहार, नोर्थ वेस्ट दिल्ली को देहरादून क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। आरोपी देवी दयाल गुप्ता द्वारा आरोपी नवीन बसंल को भारी मात्रा में नकली दवाईया अपनी फैक्ट्री में बनवाकर देता था। आरोपी द्वारा वर्ष 2021 से वर्ष 2025 तक लगभग 1 करोड़ 42 लाख 30 हजार टैबलेट्स और लगभग 2 लाख कैप्सूल आरोपी नवीन बंसल को अवैध तरीके से तैयार कर दिये है।

10 हजार का ईनामी शूटर दबोचा

हमारे संवाददाता

नैनीताल। कई वर्षो से फरार चल रहे 10 हजार के ईनामी शूटर को एसटीएफ व रामनगर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को 2 राज्यों के चार न्यायालयों द्वारा भगोड़ा घोषित किया गया था, जिसकी तलाश पंजाब व उत्तराखण्ड पुलिस को पिछले 5 वर्षों से थी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत भुल्लर द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि एसटीएफ की टीम द्वारा प्राप्त तकनीकी तथा भौतिक सूचनाओं का विश्लेषण करते हुये पिछले 1 माह से काम करते हुए अपने अथक प्रयास से उक्त अपराधी की गिरफ्तारी की गयी। गिरफ्तार अपराधी के खिलाफ पूर्व में उत्तराखण्ड के रुद्रपुर व रामनगर तथा पंजाब के मोहाली व अमृतसर में हत्या, जान से मारने के प्रयास, गैंगस्टर एक्ट व आर्म्स एक्ट के कुल 6 मुकदमें दर्ज है। जिसमें सम्बन्धित थानों से उसकी गिरफ्तारी के उपरान्त जमानत में छूटने पर वह

फरार हो गया था और विदेश भाग गया था जिस पर सम्बन्धित उत्तराखण्ड व पंजाब के विभिन्न न्यायालयों द्वारा उसे भगोड़ा घोषित करते हुए उसकी गिरफ्तारी के वारंट जारी कर दिये गये थे। बताया कि वर्ष 2016 रुद्रपुर में इसके द्वारा दिनदहाड़े अपने साथियों के मिलकर छोटे लाल नामक प्रधान की कांन्ट्रेक्ट कीलिंग की गयी थी और 2017 में इसके द्वारा रामनगर में रोके जाने पर पुलिस पार्ट्री पर जान से मारने की नीयत से कई राउंड फायरिंग की गयी थी।

बताया कि आज दोपहर एसटीएफ को उक्त अपराधी के रामनगर क्षेत्र में होने का इनपुट मिला था जिसपर कोतवाली रामनगर पुलिस से सम्पर्क किया गया और कोतवाली रामनगर पुलिस को साथ

❑पंजाब व उत्तराखण्ड में दर्ज है संगीन अपराधों के कई मुकदमें

लेकर एक ज्वाइंट ऑप्रेशन में क्षेत्र में पुलिस द्वारा जाल बिछाया गया और नाकेबन्दी घेराबन्दी करके अपराधी को गिरफ्तार किया गया तथा कोतवाली रामनगर में ले जाकर दाखिल किया गया। उसकी गिरफ्तारी की सूचना उत्तराखण्ड व पंजाब के विभिन्न थानों में दी गयी। गिरफ्तार बदमाश का नाम गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी पुत्र अवतार सिंह निवासी मनतारापुर थाना हस्तिनापुर जिला मेरठ उत्तर प्रदेश बताया जा रहा है।

दून वैली मेल

संपादकीय

देश को अशिक्षित बनाने का षड्यंत्र

यह हो सकता है कि किसी को भी यह बात सुनकर हैरानी हो कि सरकारें अपने देश को अशिक्षा के अंधकार में झोंक रही है। शायद आपने यह खबर पढ़ी हो कि उत्तर प्रदेश में 2700 स्कूलों को बंद किया जा रहा है। लेकिन सरकार द्वारा इन स्कूलों को बंद किए जाने की जगह इन्हें दूसरे शब्दों में पेश किया जा रहा है। सरकार द्वारा इसे मर्ज (विलय) करना कहा जा रहा है। खास बात यह है कि यह काम सिर्फ उत्तर प्रदेश तक ही सीमित नहीं है उत्तराखंड और यूपी सहित पूरे देश में सरकारी स्कूलों को मर्ज करने का यह काम किया जा रहा है वह भी अत्यंत व्यापक स्तर पर। उत्तराखंड में बीते कुछ सालों में 1671 स्कूलों को बंद किया जा चुका है तथा 3600 स्कूल बंदी की कगार पर खड़े हैं। केंद्र सरकार की नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत जो व्यवस्था की गई है वह सरकारी शिक्षा को समाप्त कर रही है। 2014-15 से लेकर 2023-24 तक देश भर में 89,441 स्कूल बंद हो चुके हैं। सरकार द्वारा इतनी बड़ी संख्या में स्कूलों को दूसरे स्कूलों में मर्ज किए जाने के करण सरकारी स्कूलों में छात्रों की संख्या में 16 प्रतिशत तक की कमी आई है। तथा निजी स्कूलों में छात्र संख्या और प्रतिशत बढ़ने में 36 फीसदी का उछाल आया है। इन सरकारी स्कूलों के बंद होने के कारण आम आदमी अब तीन से पांच किलो मीटर दूर अपने बच्चों को कैसे पढ़ने भेजें एक गंभीर समस्या उसके सामने आ गई है। पहले जहां हर गांव गांव तक स्कूल खोले गए थे अब उन्हें बंद किए जाने से शिक्षा अब सबकी पहुंच में नहीं रह गई है। भले ही सरकारी स्कूलों को अस्तित्व में बनाए रखने की तमाम बातें और दावे किए जा रहे हैं तथा बच्चों को मुफ्त किताबें, बैग और ड्रेस के साथ-साथ मिड डे मील तक की व्यवस्था की जा रही हो लेकिन इसके पीछे का सच यह है कि सरकारी स्कूलों को एक सुनियोजित तरीके से समाप्त किया जा रहा है और शिक्षा का निजीकरण किया जा रहा है। कहीं बच्चे नहीं होने की बात कही जा रही है तो कहीं शिक्षक न होने का हवाला दिया जाता है कहीं जर्जर भवन इस तालाबंदी का कारण होता है तो कहीं कुछ और कारण गढ़ लिया जाता है। सरकार को अब शिक्षकों की भी जरूरत नहीं रही है स्कूलों के मर्ज किए जाने से पहले ही शिक्षकों की संख्या अधिक हो चुकी है। शिक्षकों की भर्तियों को लेकर जो कुछ भी हो रहा है वह भी सिर्फ एक तमाशा भर है। जो शिक्षक रिटायर हो रहे हैं उनकी जगह नए शिक्षक रखने की अब जरूरत नहीं रह गई है। सरकार ने कहा तो यह था कि शिक्षा का बजट कुल जीडीपी का 6 फीसदी किया जाएगा लेकिन किया जा रहा है मात्र 2.9 फीसदी। सबसे बड़ी समस्या उस आम आदमी के सामने है जो निजी स्कूलों का भारी भरकम खर्च उठा नहीं सकते हैं और सरकारी स्कूलों तक बच्चों को भेज नहीं पा रहे हैं। ऐसे में इन बच्चों को शिक्षा के मौलिक अधिकार से वंचित होना स्वाभाविक है और उनका अनपढ़ रहना एक मजबूरी बन गया है। ऐसी स्थिति में विकसित भारत की बात आपको कैसी लगती है यह खुद सोच कर देखिए।

वेटलिफ्टर मुकेश पाल ने की मुख्यमंत्री से भेंट

संवाददाता

देहरादून। पावलिफ्टिंग स्पर्धा में पदक विजेता वेटलिफ्टर मुकेश पाल ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भेंट की।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में वेटलिफ्टर मुकेश पाल ने भेंट की। मुकेश पाल ने अमेरिका के बर्मिंघम (अलाबामा) में 27 जून से 07 जुलाई, 2025 तक आयोजित वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स में पावरलिफ्टिंग स्पर्धा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए भारत के लिए रजत एवं कांस्य पदक जीतकर देश और उत्तराखंड का नाम गौरवान्वित किया है।

मुकेश पाल वर्तमान में सीआईडी, हल्द्वानी में उपनिरीक्षक के पद पर कार्यरत हैं। उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उन्हें हार्दिक बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जांच टीम ने झेला जनता का आक्रोश

❑लोक गायक गणेश की बहन व नानी के इलाज में कोताही का मामला

कार्यालय संवाददाता

मुनस्यारी। उत्तराखंड के लोकगायक गणेश मर्तोलिया की बहिन दिया मर्तोलिया तथा नानी कुंती देवी बर्फाल के उपचार में बरती गई गंभीर लापरवाहियों की जांच के लिए गठित टीम गुरुवार मुनस्यारी पहुंची। टीम को जनता के साथ जनप्रतिनिधियों का भी आक्रोश झेलना पड़ा। टीम ने चार चश्मदीद गवाओं के बंद कमरे में कलमबंद बयान लिए। टीम को क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों तथा आम जनता ने इस मामले में की गई गंभीर लापरवाहियों की दास्तान सुनाई। उन्होंने कहा कि जांच में अगर पक्षपात हुआ तो देहरादून में मुख्यमंत्री से मिलकर न्यायिक जांच की मांग की जाएगी।

अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर प्रशांत कौशिक की अध्यक्षता में पहुंची टीम में फिजिशियन डॉक्टर एस. सी. रजवार, निश्चितक विशेषज्ञ डॉक्टर हेमंत शर्मा उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत धापा निवासी उत्तराखंड के प्रसिद्ध लोक गायक गणेश मर्तोलिया की बहन दिया मर्तोलिया तथा नानी श्रीमती कुंती देवी बर्फाल की जंगली मशरूम खाने से अत्यधिक स्वास्थ्य खराब हो गया था। इस मामले को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों तथा मृतक महिलाओं के परिजनों का आरोप है कि जांच तथा उपचार में गंभीर लापरवाही बरती गई है। जांच के लिए आज यहां पहुंची टीम के सम्मुख पूर्व जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा कि उपचार के दौरान गंभीर लापरवाही बरती गई है। जिसकी पुष्टि आज दिए गई बयानों में हो गई है। श्रीराम सिंह धर्मशक्तू तथा केदार सिंह मर्तोलिया ने भी इलाज में इलाज में हुई लापरवाही तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हो रही अव्यवस्थाओं की जानकारी अधिकारियों को दी। दिया को 11 जुलाई की रात को एक बजे अस्पताल लाने वाले उनके रिश्तेदार धापा निवासी राजेंद्र सिंह रिलकोटिया ने बताया कि अस्पताल में उपस्थित डॉक्टर को जंगली मशरूम खाने की बात बताई गई। अस्पताल में दिया को दो सुई लगाई गई। सुई लगाई जाने के बाद दिया ने कुछ देर अस्पताल में ही आराम किया। बयान में डॉक्टर से दिया मर्तोलिया को भर्ती करने के लिए कहा गया, लेकिन उपस्थित डॉक्टर ने कहा कि भर्ती करने की आवश्यकता नहीं है। इन्हें आप घर ले जा सकते है। डॉक्टर के ओपिनियन के बाद दिया को उसके निवास स्थान धापा ले गए।

12 जुलाई की सुबह दिया मर्तोलिया तथा उसकी नानी कुंती देवी बर्फाल को अत्यधिक स्वास्थ्य खराब होने के कारण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। दिया कि बड़ी बहन भाग्यश्री पांगती तथा चाची निर्मला पांगती हल्द्वानी में है। इसलिए उनका बयान नहीं लिया जा सका। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर प्रशांत कौशिक ने बताया कि इन दोनों के बयान देने के लिए नैनीताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी से बात की जाएगी। 12 जुलाई से 13 जुलाई को रेफर होने तक अस्पताल में दोनों मरीजों के साथ रही धापा निवासी प्रिया रिलकोटिया ने बताया कि बार-बार डॉक्टर से दोनों मरीजों के हाल-चाल पूछने पर डाक्टरों ने कि दोनों यही ठीक हो जाएंगे। रेफर करने के लिए भी बार-बार अनुरोध किया गया, लेकिन समय-समय पर उपस्थित डॉक्टरों ने कोई जवाब नहीं दिया।

उन्होंने बताया कि रात्रि के समय अस्पताल में रात्रि चौकीदार के अलावा डॉक्टर, स्टाफ नर्स या अन्य कोई उपस्थित नहीं रहे। 12 जुलाई की रात्रि को एक बजे के आसपास रिया पानी के लिए छटपटाने लगी, तब जाकर रात्रि चौकीदार को डॉक्टर को बुलाने के लिए कहा। एक व्यक्ति आया वह डाक्टर था कि नहीं। उसने दिया को ग्लूकोज चढ़ा दिया और फिर वापस अपने कमरे की ओर चले गया। उस समय भी इस व्यक्ति से कहा गया कि स्थिति ठीक नहीं है तो हम मरीज को बाहर ले जाते हैं। आप रेफर कर दीजिए। उक्त व्यक्ति के द्वारा कुछ भी नहीं बोला गया और वापस चले गए। पत्रकार पूरन चंद्र पांडे तथा दरकोट निवासी तथा दिया के जीजा राजेंद्र सिंह पांगती ने ने भी अपने बयान दर्ज किए।

ग्रामोत्थान परियोजना ने 'खुशी स्वयं सहायता समूह' को बनाया लखपति

कार्यालय संवाददाता

हरिद्वार। मुख्य विकास अधिकारी हरिद्वार श्रीमती आकांक्षा कोण्डे के निर्देशों के क्रम में जनपद हरिद्वार के समस्त विकासखंडों में अल्ट्रा पूवर सपोर्ट, एंटरप्राइजेज (फॉर्म - नॉन फॉर्म), सीबीओ लेवल के एंटरप्राइजेज की स्थापना की गई है। इसी कड़ी में, ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना के सहयोग से, नारसन विकासखंड के हरचंदपुर गांव के खुशी स्वयं सहायता समूह ने फूलों की खेती (फ्लोरीकल्चर) के अपने व्यवसाय को नई पहचान और समृद्धि दिलाई है।

पहले, खुशी स्वयं सहायता समूह फूलों की खेती अत्यंत सूक्ष्म स्तर पर कर रहा था। समूह की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर थी और वे जीवन की मूलभूत आवश्यकताएं भी पूरी नहीं कर पा रहे थे। तभी एन.आर.एल.एम. की टीम उनके पास पहुँची और उन्हें समूह से जुड़ने के लाभों के बारे में बताया गया, जिसके परिणामस्वरूप श्खुशी स्वयं सहायता समूहश का गठन हुआ। समूह गठन की तिथि 16 जनवरी, 2025 है और इसकी अध्यक्षा श्रीमती आंचल देवी हैं। समूह से जुड़ने के बाद, उन्हें ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना से न केवल आर्थिक और सामाजिक सहयोग मिला, बल्कि फ्लोरीकल्चर उत्पादन को व्यावसायिक ढंग से करने का प्रशिक्षण भी प्राप्त हुआ, जिसने उनकी सफलता की यात्रा का मार्ग प्रशस्त किया।

❑फूलों की खेती से खुली समृद्धि की राह

ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना ने खुशी स्वयं सहायता समूह को ग्राम मुंडलाना में स्थापित श्री राधे कृष्णा बहुद्देश्यीय स्वायत्त सहकारिता (सी.एल.एफ.) से जोड़ा। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए, नारसन ब्लॉक द्वारा समूह के लिए 10 लाख रुपये का एक विस्तृत व्यावसायिक प्लान तैयार किया गया। इस योजना के तहत, समूह को बैंक से 3 लाख रुपये का ऋण दिलाया गया, साथ ही लाभार्थियों ने स्वयं 1 लाख रुपये का अंशदान किया और परियोजना द्वारा 6 लाख रुपये की अतिरिक्त वित्तीय सहायता प्रदान की गई। इस महत्वपूर्ण सहयोग से लाभार्थियों के पास कार्यशील और स्थायी पूंजी का वह अभाव दूर हो गया, जो उनके व्यवसाय के विस्तार में बाधा बन रहा था।

आज, खुशी स्वयं सहायता समूह पूरे उत्साह के साथ अपने व्यवसाय को बढ़ा रहा है। वर्तमान में वे 9 बीघा जमीन पर गेंदे के फूलों की खेती कर रहे हैं और एक सफल व्यावसायिक इकाई के रूप में स्थापित हो चुके हैं। पिछले छह महीनों (एक साइकिल) में, समूह ने 20,000 पौधे रूपए 12 प्रति पौधे की दर से खरीदे, कुल रूपए 2,40,000 की लागत आई। उन्होंने 30,000 किलोग्राम फूल रू. 30 प्रति किलोग्राम की दर से बेचे, जिससे रूपए 9,00,000 की बिक्री हुई। सभी खर्चों (जैसे खाद, बीज, भूमि किराया, मजदूरी, परिवहन, आदि) को घटाने के बाद, समूह ने रूपए 4,21,800 का शुद्ध लाभ अर्जित किया है। खुशी स्वयं सहायता समूह की यह सफलता प्रधानमंत्री जी द्वारा देखे गए श्लखपति दीदीश के सपने का एक प्रत्यक्ष प्रमाण है। यह कहानी उन सभी के लिए प्रेरणा है जो दृढ़ संकल्प और सही समर्थन से अपनी और अपने परिवार की जिंदगी बदल सकते हैं।

जीभ जल जाए तो तुरंत करें यह उपाय, नहीं होगा संक्रमण का खतरा

अक्सर चाय पीने या कुछ गर्म खाने के बीच में हम अपनी जीभ जला लेते हैं और फिर कई दिनों तक जली हुई जीभ की जलन से परेशान रहते हैं। आमतौर पर जीभ में जलन की समस्या धीरे-धीरे अपने आप ठीक हो जाती है, लेकिन अगर यह ज्यादा जल जाए तो यह हमें कई दिनों तक परेशान करती है। ऐसे में कुछ घरेलू नुस्खों की मदद से आप जलन को शांत कर सकते हैं और जले हुए टिश्यू को ठीक कर सकते हैं।

स्वास्थ्य रेखा इसके अनुसार जीभ में जलन एक आम समस्या है जिसे प्राथमिक उपचार की मदद से ठीक किया जा सकता है। लेकिन अगर यह ज्यादा जलता है तो इस स्थिति में बर्निंग माउथ सिंड्रोम हो सकता है, जिसे इडियोपैथिक ग्लोसोपायरोसिस भी कहा जाता है। यहां हम आपको बताते हैं कि अगर जीभ जल जाए तो उसे तुरंत ठीक करने के लिए आपको क्या करना चाहिए।

जीभ जली हो तो करें ये काम

संक्रमण से बचने के लिए और जीभ पर फर्स्ट-डिग्री बर्न में दर्द को कम करने के लिए, कुछ मिनट के लिए मुंह में ठंडा पानी रखें और कुल्ला करें।

ठंडे पानी से गरारे करें या कुल्ला करें। इसके लिए एक कप पानी में 1/8 चम्मच नमक का घोल बनाकर इस्तेमाल करें।

गर्म या गर्म तरल पदार्थों से बचें, जिससे जलन हो सकती है।

दर्द और सूजन के लिए डॉक्टर की सलाह पर दवा ली जा सकती है।

ज्यादा जलन होने पर डॉक्टर से संपर्क करें।

ये हैं घरेलू नुस्खे

* बेकिंग सोडा से धो लें. इससे दर्द में आराम मिलेगा।

ठंडा दही, लस्सी, आइसक्रीम खाएं। पुदीना का प्रयोग करें। इसके लिए आप च्युइंग गम का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

दर्द से राहत के लिए जीभ पर कुछ चीनी के दाने या शहद लगाकर मुंह को कुछ देर के लिए बंद रखें। दर्द को कम करने के लिए अपने मुंह में बर्फ के टुकड़े या चिप्स डालकर चूसें। (आरएनएस)

शैम्पू करते हुए करेंगे यह गलतियां तो झड़ने लगेंगे बाल

जब बात बालों को शैम्पू करने की होती है तो वह सिर्फ शैम्पू का इस्तेमाल करने तक ही सीमित नहीं है।

आपको इसके बाद कंडीशनर भी अवश्य लगाना चाहिए। यह आपके बालों को स्मूद बनाता है। जिससे कॉम्ब करते समय आपके बाल कम टूटते हैं। बालों की केयर का सबसे पहला व जरूरी स्टेप है हेयर वॉश करना। यह बालों व स्कैल्प पर जमी ऑयल व गंदगी को दूर करने में मदद करता है। हालांकि, हेयर वॉश करने का अपना एक तरीका होता है। अगर आप शैम्पू करते हुए कुछ छोटी-छोटी मिसटेक्स करते हैं तो इससे हेयर फॉल की समस्या शुरू हो सकती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको शैम्पू से जुड़ी उन गलतियों के बारे में बता रहे हैं, जिससे आपको बचना चाहिए-

जोर से रगड़ना

कुछ लोगों की आदत होती है कि वह शैम्पू करते हुए बालों को तेजी से रगड़ते हैं। लेकिन आपको वास्तव में ऐसा नहीं करना चाहिए। दरअसल, जिस समय आप बालों को वॉश करते हैं, उस समय वह बेहद कमजोर होते हैं। ऐसे में अगर उन्हें जोर से रगड़ा जाए तो वह टूटने लग जाते हैं। आप चाहें तो शैम्पू करने के बाद हल्की मसाज कर सकते हैं, लेकिन तेजी से रगड़ने से बचें।

कंडीशनर को स्किप करना

जब बात बालों को शैम्पू करने की होती है तो वह सिर्फ शैम्पू का इस्तेमाल करने तक ही सीमित नहीं है। आपको इसके बाद कंडीशनर भी अवश्य लगाना चाहिए। यह आपके बालों को स्मूद बनाता है। जिससे कॉम्ब करते समय आपके बाल कम टूटते हैं।

बार-बार शैम्पू स्विच करना

कई बार ऐसा होता है कि हम टीवी में कोई ऐड देखते हैं और उससे प्रभावित होकर किसी नए ब्रांड का शैम्पू ले आते हैं। लेकिन इस तरह बार-बार शैम्पू को स्विच करना बालों के लिए सही नहीं माना जाता। कई शैम्पू में केमिकल्स का इस्तेमाल किया जाता है और यह आपके बालों को डैमेज भी कर सकते हैं। (आरएनएस)

वॉशिंग मशीन से कपड़े धोने के बाद भी आ रही है बदबू?

गंध से छुटकारा पाने के लिए कपड़ों को तेज धूप में सुखाना चाहिए। वॉशिंग मशीन को समय-समय पर साफ करते रहें। कपड़ों से बैक्टीरिया को दूर करने के लिए सिरके का इस्तेमाल करें। धुलाई युक्तियाँ- आज अधिकांश लोग जीवन को आसान बनाने के लिए वाशिंग मशीन का उपयोग करते हैं। कपड़े धोने की मशीन से कपड़े धोने से मेहनत और समय दोनों की बचत होती है। कई बार किसी अच्छी कंपनी का डिटर्जेंट और वॉशिंग मशीन इस्तेमाल करने के बाद भी कपड़ों में बदबू बनी रहती है। खासकर बरसात के मौसम में यह बदबू सारी मेहनत को बर्बाद कर देती है। कपड़ों से बदबू आने के कई कारण हो सकते हैं जैसे नमी, डिटर्जेंट की गंध या कपड़ों की ठीक से सफाई न करना। ऐसे में कपड़े फिर से धोने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। आइए जानते हैं कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे जिनकी मदद से आप कपड़ों से आने वाली बदबू से छुटकारा पा सकते हैं।

कपड़े पूरी तरह से सुखा लें

कपड़ों से आने वाली गंध कई लोगों को परेशान कर सकती है। स्पीडक्वीन डॉट कॉम के मुताबिक वॉशिंग मशीन में कपड़े धोने के बाद भी अगर बदबू बनी रहती है तो इसे दोबारा धोने की जगह तेज धूप में पूरी तरह सुखाया जा सकता है. कपड़ों को तेज धूप में सुखाने से बदबू काफी हद तक दूर हो जाती है।

डिटर्जेंट में कटौती

वॉशिंग मशीन में धोने के बाद अगर कपड़ों से बदबू आती है तो इसका कारण कपड़ों में बचा हुआ अतिरिक्त डिटर्जेंट हो सकता है। कपड़ों में बचा हुआ डिटर्जेंट बैक्टीरिया को बढ़ावा देता है, जिससे त्वचा संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए मशीन में जितनी जरूरत हो उतनी ही डिटर्जेंट का इस्तेमाल करें।

सिरके का प्रयोग करें

कभी-कभी धुले हुए कपड़ों से भी फफूंदी लगने से बदबू आने लगती है। सिरके का इस्तेमाल फफूंदी से छुटकारा पाने के लिए किया जा सकता है। कपड़े धोते समय वॉशिंग मशीन में डिटर्जेंट में थोड़ा सा सिरका मिलाने से कपड़ों की बेहतर सफाई करने में मदद मिलती है और साथ ही बैक्टीरिया भी मर जाते हैं।

मशीन को साफ करें

वॉशिंग मशीन में पनपने वाले बैक्टीरिया या कीटाणु कपड़ों में दुर्गंध का कारण हो सकते हैं। कपड़े के साथ-साथ वॉशिंग मशीन की साफ-सफाई पर भी ध्यान देना जरूरी है। हर 15 दिन में मशीन की सफाई जरूरी है। कई बार वॉशिंग मशीन में लगे रबर पर डिटर्जेंट या गंदगी जमा हो जाती है, जिससे उसमें बैक्टीरिया पनप जाते हैं। बेहतर होगा कि मशीन की सफाई के लिए किसी विशेषज्ञ की सलाह ली जाए।

सुबह खाना जल्दी बनाने के लिए रात में ही करें यह काम

हम खाना बनाने की कितनी ही जल्दी क्यों न करें लेकिन अक्सर लेट हो ही जाते हैं। यह प्रॉब्लम तब और भी ज्यादा बढ़ जाती है जब आप आपको ऑफिस या कॉलेज जाना हो। सुबह के समय जल्दी, टेस्टी और बिना थके बनाना किसी टास्क से कम नहीं है। ऐसे में हम आपके लिए लाए हैं कुछ कुकिंग टिप्स-

रात को सब्जियां काटकर फ्रिज में रखी जा सकती हैं। ऐसा करने से आपका काफी समझ बच जाएगा। खासकर अगर आप मल्टीपल डिशेज बनाने वाले हैं, तो यह काम जरूर करें।

राजमा, चना और दाल ऐसी चीजें हैं, जिन्हें पकने के लिए काफी टाइम चाहिए होता है इसलिए आपको इसे भिगाकर रखना चाहिए। जिससे कि आपको कम से कम टाइम देना हो। इन्हें भिगाने से पौष्टिकता तो बढ़ती ही है। साथ ही जल्दी भी पक जाते हैं। सुबह उठकर आप कम पैनिक होंगे, अगर रात में आप किचन को साफ करके सोएंगे, इससे आपकी काफी मेहनत बच जाएगी और आपको कोई भी सामान तलाशने के लिए मेहनत नहीं करनी पड़ेगी।आप अगर सुबह उठकर सोचेंगे कि क्या बनाएं, तो ऐसा सोचने में ही काफी टाइम खराब हो जाएगा इसलिए अच्छा यही होगा कि घर के लोगों की पसंद और नापसंद का ख्याल रखते हुए आप रात में ही डिसाइड कर लें कि आपको क्या बनाना है। इससे घर के मेंबर्स के मूड और आपका टाइम दोनों बच जाएगा।

ज्यादा शॉपिंग करना भी है एक बीमारी!

त्यौहारों में बाजार की रौनक की बात ही कुछ और होती है। चाहे कपड़े हों या फिर फर्नीचर, त्यौहारों के समय इन सबकी शॉपिंग होती है। कई बार फेस्टिव मूड में हम ऐसी चीजें भी खरीदते जाते हैं, जिनकी हमे कोई खास जरूरत नहीं है। हालांकि, आप कई ऐसे लोगों को भी जानते होंगे जिन्हें शॉपिंग करने के लिए त्यौहारों का इंतजार नहीं करना पड़ता है। उनका जब मन करता है तब शॉपिंग पर निकल जाते हैं। आपको बता दें शॉपिंग की लत भी एक बीमारी है। इंग्लैंड के एक हेल्थकेयर ग्रुप ने ज्यादा शॉपिंग करने को उन बीमारियों की लिस्ट में शामिल किया है जिसके इलाज की जरूरत है।

ज्यादा शॉपिंग करने को एक डिसॉर्डर माना गया है। मेडिकल टर्म में इसे कंपल्सिव बाइंग डिसॉर्डर या ओनियोमेनिया कहा जाता है। कई लोग इस डिसॉर्डर का शिकार होते हैं लेकिन बहुत कम लोग इसे पहचानकर इसका इलाज कर पाते हैं। एक रिव्यू के अनुसार विकासशील देशों में हर बीस में से एक व्यक्ति इस बीमारी का शिकार है।

क्या हैं नुकसान : शॉपिंग अडिक्शन के कारण जिंदगी पर बुरा असर पड़ता है। लोगों का निजी जीवन इससे प्रभावित होता है और कपल्स के बीच दरार आ सकती है। शॉपिंग की लत के कारण आप कर्ज ने भी आ सकते हैं जो धीरे-धीरे अवसाद का रूप ले लेता है। सही काउंसेलिंग और थेरपी के जरिए यह लत छुड़ाई जा सकती है।

ऐसे बचें : शॉपिंग अडिक्शन से बचने के लिए आपको इसके बारे में आपको यह समझना चाहिए कि किस वजह से आपको शॉपिंग का मन करता है। जैसे, अगर आप तनाव से बचने के लिए शॉपिंग करते हैं तो आपको तनाव का करण समझना चाहिए। खर्च के लिए प्लान बनाएं और इस प्लान पर डटे रहें। अपनी जगह घर के किसी और को सामान लेने भेजें।

जिम में एक्सरसाइज के दौरान इन कारणों से आ सकते हैं चक्कर!

आजकल लोग फिट रहने के लिए जिम में घंटों एक्सरसाइज करते हैं, लेकिन बहुत से लोगों को इस दौरान चक्कर या बेहोशी जैसा फील होता है। इसे वर्कआउट की थकान समझकर बहुत लोग नजरअंदाज कर देते हैं, जो गलत है। इससे फिट रहने के बावजूद आपकी जान भी जा सकती है। आज हम आपको बताएंगे कि जिम में एक्सरसाइज के दौरान व्यक्ति को चक्कर आने की क्या वजह हो सकती हैं।

डिहाइड्रेशन : जब आप एक्सरसाइज कर रहे होते हैं तो आपके शरीर को तरल पदार्थों की जरूरत होती है और इनकी कमी होने पर डिहाइड्रेशन हो जाता है। शरीर में उर्जा के स्तर को बढ़ाने के लिए पानी एक बेहतरीन विकल्प है, इसलिए पर्याप्त पानी पीना जरूरी है। हालांकि, जिम ट्रेनर प्रोटीन शेक और अन्य चीजें लेने को कहते हैं, जो तभी लेने चाहिए जब आपकी डाइट में प्रोटीन की कमी हो। इसके लिए डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

ब्लड शुगर में गिरावट : एक्सरसाइज करते वक्त आपके शरीर को नियमित स्तर से अधिक शुगर की जरूरत होती है, इसलिए आपको ऐसा खाना खाना चाहिए जिसमें शुगर या ग्लूकोज मौजूद हो। ये आपकी सेहत को अच्छा और फायदेमंद रखने में मदद करेगा और चक्कर आना और बेहोशी को दूर रखेगा। 20-26 साल उम्र वालों में फास्टिंग शुगर लेवल 100 से 180 एमजी/डीएल, लंच के बाद 180 एमजी/डीएल और डिनर के बाद 100 से 140 एमजी/डीएल तक सामान्य माना जाता है।

हाई इंटेनसिटी वर्कआउट : जब आप हाई इंटेनसिटी वर्कआउट (अधिक मेहनत वाली एक्सरसाइज) करते हैं तो शरीर पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। कभी-कभी शरीर इस तनाव को सहन नहीं कर पाता है जिससे आप बेहोश हो जाते हैं। ऐसी एक्सरसाइज तुरंत नहीं बल्कि वॉर्म अप एक्सरसाइज के बाद ही करनी चाहिए। ये रोजाना भी नहीं करनी चाहिए वरना दिल से जुड़ी समस्याएं शुरू हो सकती हैं। ऐसी एक्सरसाइज करने से पहले दिल की सेहत की जांच जरूर करवाएं।

ब्लड प्रेशर में गिरावट : ऐसे लोग जिनका ब्लड प्रेशर कम रहता है, उन्हें जिम में हाई इंटेनसिटी एक्सरसाइज करने से जल्दी चक्कर या बेहोशी हो सकती है। इतना ही नहीं, इससे जान को भी खतरा हो सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, एक बालिग व्यक्ति में 95-145/60-90 के बीच का ब्लड प्रेशर सामान्य माना जाता है, लेकिन यह भी शारीरिक स्थितियों पर निर्भर करता है।

हेल्थ चेकअप करवाना क्यों है जरूरी?

अगर आपको जिम एक्सरसाइज के दौरान चक्कर आते हैं और थोड़ी देर आप नॉर्मल महसूस करने लगते हैं तो इसे नजरअंदाज बिल्कुल मत करिए। यह केवल कमजोरी नहीं, एक बड़ी समस्या हो सकती है।

धुम्रपान है धीमा जहर

धुम्रपान से सेहत को कई प्रकार के नुकसान होते हैं। धुम्रपान करने से सबसे ज्यादा नुकसान आपके फेफड़ो को होता हैं, इससे आपको कैंसर भी हो सकता हैं। बीड़ी-सिगरेट पीने से न सिर्फफेफड़ो को ही हानि होती हैं, बल्कि इससे पुरे शरीर पर बुरा असर पड़ता हैं। यह एक धीमे जहर के समान है। सिगरेट, बीड़ी, तम्बाकू ये सभी चीजें हमारी सेहत के लिए कितनी हानिकारक है यह सब जानते हैं। हर व्यक्ति को यह मालूम है कि सिगरेट पीना या फिर किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थों का सेवन करना हमारे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है, लेकिन जागरुकता के आभाव में लोग इसका सेवन करते रहते हैं।

नशा करना किसी भी समय ठीक नहीं होता पर यदि सिगरेट ठीक भोजन करने के बाद पी जाए, तो इसका नकारात्मक प्रभाव 10 गुणा बढ़ जाता है। इसका कारण यह है कि जब आप खाना खाते हैं तो शरीर का पाचन तंत्र पूरे शरीर को प्रभावित करता है और इस वक्त सिगरेट पीने से ज्यादा नुकसान होता है। वैज्ञानिकों के अनुसार खाना खाने के तुरंत बाद सिगरेट पीने से आंत और फेफड़ों का कैंसर होने की संभावना बढ़ जाती है। वहीं यह भी पाया गया है कि जो लोग सिगरेट पीने के आदी होते हैं उन्हें खाना खाने के तुरंत बाद ही सिगरेट पीने का सबसे ज्यादा मन करता है। अगर आप ऐसे लोगों की श्रेणी में हैं तो बुरे परिणामों से बचने के लिए भोजन और सिगरेट पीने में कम से कम 20 मिनट का अंतर रखें। इस तरह आप एक बड़ी गलती को करने से बच सकते हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

लोगों को हैं टूथपेस्ट से जुड़े ये आम भ्रम!

दांतों को स्वस्थ और सफेद बनने के लिए टूथपेस्ट इस्तेमाल किया जाता है, जिसको लेकर कई भ्रम और गलतफहमियां प्रचिलित हैं। कई लोग मानते हैं कि केवल महंगे टूथपेस्ट ही कारगर होते हैं या ज्यादा मात्रा में इसे लगाने से ही फायदा होता है। हालांकि, इनमें से ज्यादातर बातें मिटक साबित होती हैं।

आइए आज हम मिलकर टूथपेस्ट से जुड़े कुछ आम भ्रमों पर चर्चा करते हैं और उनकी सच्चाई जानते हैं।

महंगा टूथपेस्ट ही होता है बेहतर

कई लोग मानते हैं कि महंगा टूथपेस्ट हमेशा बेहतर होता है और यह दांतों को ज्यादा सफेद बनाता है। हालांकि, सच्चाई यह है कि महंगे ब्रांड हमेशा अच्छी गुणवत्ता वाले नहीं होते।

कई बार सस्ते ब्रांड भी अच्छे परिणाम देते हैं। इसलिए कीमत देखकर ही चयन नहीं करना चाहिए। गुणवत्ता और असर को ध्यान में रखते हुए ही टूथपेस्ट चुनना चाहिए।

इससे आपको सही जानकारी मिल सकेगी कि कौन-सा टूथपेस्ट आपके लिए बेहतर है।

बच्चों के लिए होता है फ्लोराइड वाला टूथपेस्ट

फ्लोराइड वाले टूथपेस्ट को लेकर भी कई भ्रम फैले हुए हैं। कुछ लोग मानते हैं कि फ्लोराइड केवल बच्चों के लिए जरूरी होता है और बड़ों को इसकी जरूरत नहीं होती।

सच्चाई यह है कि फ्लोराइड दांतों की सुरक्षा के लिए अहम होता है, चाहे उम्र कोई भी हो। यह दांतों को कीड़ों से बचाने में मदद करता है और उन्हें मजबूत बनाता है।

इसलिए फ्लोराइड वाला टूथपेस्ट का उपयोग करना फायदेमंद होता है।

सफेद फोम वाला टूथपेस्ट होता है ज्यादा असरदार

बहुत से लोग मानते हैं कि जितना ज्यादा फोम, उतने सफेद दांत। हालांकि, असलियत में फोम सिर्फ सफाई करने में मदद करता है और सफेदी से इसका कोई संबंध नहीं होता है।

इसलिए फोम देखकर ही टूथपेस्ट का चयन नहीं करना चाहिए। इसके बजाय उसकी गुणवत्ता और असर पर ध्यान देना चाहिए, ताकि आपको सही जानकारी मिल सके और आप चमकदार दांत पा सकें।

इससे आप सही तरीके से अपने दांतों की देखभाल कर सकते हैं।

टूथपेस्ट का रंग होता है अहम

कई लोग सोचते हैं कि गहरे रंग वाले टूथपेस्ट ज्यादा असरदार होते हैं, जबकि असलियत में रंग का सफेदी से कोई संबंध नहीं होता।

सफेद या नीले रंग का टूथपेस्ट भी उतना ही अच्छा काम करता है, जितना कि गहरे रंग वाला। इसलिए रंग देखकर ही चयन करना सही निर्णय नहीं होता है।

इसके बजाय टूथपेस्ट गुणवत्ता और असर पर ध्यान देना चाहिए और खुद इस्तेमाल करके जांच भी करनी चाहिए।

ज्यादा क्रीम वाला टूथपेस्ट ही होता है अच्छा

यह भी एक आम धारणा है कि ज्यादा क्रीम वाला टूथपेस्ट ज्यादा अच्छा होता है, जबकि असलियत में ऐसा नहीं होता।

ज्यादा क्रीम वाला टूथपेस्ट कभी-कभी दांतों की संवेदनशीलता बढ़ा सकता है और उन्हें नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए ज्यादा क्रीम वाला टूथपेस्ट चुनते समय सावधानी बरतनी चाहिए।

इन भ्रमों को समझकर हम अपने दांतों की देखभाल बेहतर तरीके से कर सकते हैं और सही जानकारी के आधार पर निर्णय ले सकते हैं।

शब्द सामर्थ्य -11

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

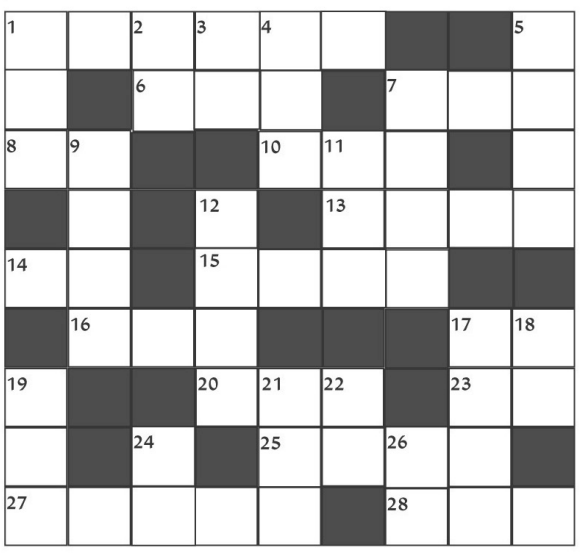

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 10 का हल

भू	कं	प	■	फा	य	दा	■	स
प	■	ल	ला	ट	■	य	ती	म
ति	ल	क	■	क	न	क	■	झ
■	क्ष्म	■	■	■	रे	■	■	■
ग	ण	क	■	सं	श	य	■	सौ
ह	■	या	च	क	■	म	न्न	त
रा	क्ष	स	■	र	क्ष	क	■	न
■	त्रि	■	■	■	मि	■	■	■
शा	य	री	■	का	त	र	■	गो

द फैमिली मैन 3 का ऑफिशियल एलान, धांसू टीजर रिलीज

प्राइम वीडियो ने सीरीज द फैमिली मैन के नए सीजन का टीजर रिलीज कर दिया है। इस टीजर में फैंस को एक झलक मिली है उस कहानी की जिसका इंतजार लंबे वक्त से हो रहा था। राज और डीके की जोड़ी ने इसे अपने बैनर डी2आर फिल्म्स के तहत बनाया है और एक बार फिर मनोज बाजपेयी श्रीकांत तिवारी के रोल में नजर आने वाले हैं, जो एक तरफ देश के लिए एक अंडरकवर जासूस की जिम्मेदारियां निभाते हैं और दूसरी तरफ एक मिडिल क्लास फैमिली में पिता और पति के रोल में तालमेल बैठाते हैं।

द फैमिली मैन के इस नए सीजन को राज, डीके और सुमन कुमार ने मिलकर लिखा है, जबकि डायलॉग्स सुमित अरोड़ा ने लिखे हैं। सीरीज का निर्देशन राज और डीके कर रहे हैं, और इस बार उनके साथ सुमन कुमार और तुषार सेठ भी डायरेक्शन में जुड़े हैं। इस साल आने वाला सीजन 3 और भी बड़ा होने वाला है, क्योंकि श्रीकांत तिवारी का सामना इस बार दो नए खतरनाक दुश्मनों जायदीप अहलावत और निमरत कौर से होगा।

इस सीजन में कहानी देश की सीमाओं के भीतर और बाहर दोनों ओर से आ रहे खतरों के बीच श्रीकांत के संघर्ष को दिखाएगी। पहले के अहम किरदारों के साथ भी वापसी हो रही है, जिसमें प्रियामणि (सुचित्रा तिवारी), शारिब हाशमी (जेके तलपड़े), अलेशा ठाकुर (धृति तिवारी) और वेदांत सिन्हा (अथर्व तिवारी) फिर से अपने किरदारों में नजर आएंगे।

निकिल माधोक, डायरेक्टर और हेड ऑफ ओरिजिनल्स, प्राइम वीडियो इंडिया ने कहा, द फैमिली मैन आज सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में प्राइम वीडियो की सबसे पसंदीदा और सराही जाने वाली फ्रेंचाइज़ी बन चुकी है। जैसे ही दर्शकों ने सीज़न 2 देखा, हमें तीसरे सीज़न के लिए लगातार रिक्वेस्ट्स मिलने लगीं और इस बार भी, जैसा कि उम्मीद थी, राज, डीके और सुमन ने खुद को पीछे छोड़ते हुए एक नई, दिलचस्प कहानी गढ़ी है, जिसमें दांव पहले से कहीं ज़्यादा बड़े हैं और थ्रिल भरपूर है, हमें पूरा भरोसा है कि दुनियाभर के फैंस इस सीज़न को खूब पसंद करेंगे और इसे एंजॉय करेंगे।

क्रिएटर्स, डायरेक्टर्स और राइटर्स राज एंड डीके ने सीजन 3 को लेकर अपना विजन शेयर करते हुए कहा, हर नए सीजन के साथ हम खुद को एक नई चुनौती देते हैं, कहानी, स्केल और परफॉर्मेंस को और ऊंचा उठाने की कोशिश करते हैं ताकि दर्शकों को पिछली बार से ज्यादा एंटरटेनमेंट मिल सके, हम अपने फैंस की धैर्य के लिए शुक्रगुज़ार हैं, सीज़न 3 में श्रीकांत और उसकी टीम को ऐसे खतरनाक हालातों से गुजरना पड़ेगा जहां उनकी सीमाएं, रिश्ते और भरोसे सब कुछ कसौटी पर होंगे। साथ ही श्रीकांत को इस बार एक बदले हुए पारिवारिक माहौल से भी जूझना पड़ेगा। इस बार श्रीकांत और उनकी टीम का सामना कुछ बेहद ताकतवर और खतरनाक नए दुश्मनों से होगा, और हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि जयदीप अहलावत और निमरत कौर इस सीजन में हमारे नए विलेन के रूप में शामिल हो रहे हैं। प्राइम वीडियो की टीम ने इस सीज़न को ज़िंदा करने में शानदार सहयोग किया है और हम इस नई कहानी को दर्शकों तक पहुंचाने के लिए बेहद एक्साइटेड हैं।

मेरे लिए दिव्य प्रेम- प्यार और रहस्य की कहानी में काम करना शानदार अवसर की तरह : श्रुति आनंद

अभिनेत्री श्रुति आनंद अपनी ड्रामा सीरीज दिव्य प्रेम- प्यार और रहस्य की कहानी' के साथ फैंटेसी की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। इस शो में वह दिव्या की मां नेत्रा की अहम भूमिका निभाएंगी। यह शो उनके लिए खास है, क्योंकि यह उनकी पहली फैंटेसी प्रोजेक्ट है।

श्रुति ने इस नए अनुभव के बारे में उत्साह जताते हुए कहा, यह मेरा पहला फैंटेसी शो है और यही इसे मेरे लिए खास बनाता है। मैंने पहले कभी ऐसा कुछ नहीं किया, मैं पहली बार ऐसे किरदार में काम करने जा रही हूं। जब मुझे कॉल आया और बताया गया कि कहानी मेरे किरदार से शुरू होती है, तो मैं यह सुनकर उत्साहित हो गई।

श्रुति ने अब तक दो शो किए हैं, जिनमें उन्होंने सकारात्मक और प्यारी लड़कियों की भूमिकाएं निभाई थीं। लेकिन फैंटेसी उनके लिए एक नई दुनिया है।

उन्होंने कहा, मैं फैंटेसी की दुनिया को तलाशना चाहती थी और यह शो मुझे वह मौका दे रहा है।

श्रुति ने इसे एक सीखने की यात्रा बताया। वह कहती हैं, मैं बहुत कुछ सीख रही हूं, जैसे फैंटेसी सीन कैसे शूट होते हैं, ग्राफिक्स और स्पेशल इफेक्ट का इस्तेमाल कैसे होता है और मैजिकल सीन्स को कैसे जीवंत किया जाता है। हमारे निर्देशक को इस शैली में बहुत अनुभव है। वे मुझे सही मुद्रा से लेकर जादुई क्षणों में अभिनय तक, हर चीज कदम-कदम पर सिखा रहे हैं। मैं इस नई यात्रा का पूरा आनंद ले रही हूं।

दिव्य प्रेम- प्यार और रहस्य की कहानी' में श्रुति के साथ मेघा और सूरज प्रताप सिंह भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

यह शो प्यार, रहस्य और जादू का अनोखा मिश्रण है। शो का प्रीमियर 16 जून से सन नियो चैनल पर हुआ है।

श्रुति की यह नई शुरुआत उनके प्रशंसकों के लिए एक खास तोहफा होगी, और उनकी मेहनत इस शो को और भी खास बनाएगी।

मस्ती-4 के लिए तुरंत हामी भरी : रुही सिंह

एक्ट्रेस रूही सिंह अपनी आने वाली फिल्म मस्ती 4 में लीड रोल में नजर आएंगी। उन्होंने बात करते हुए इस फिल्म के निर्देशक मिलाप जावेरी की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि मिलाप जावेरी बेहतर तरीके से जानते हैं कि जनता को क्या पसंद आता है। साथ ही बताया कि वह दर्शकों को हंसाने के लिए कॉमेडी टाइमिंग को लेकर कड़ी मेहनत कर रही हैं।

एक्ट्रेस ने कहा, वह शुरू से ही मस्ती फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे हैं। वह मस्ती की खासियत और आम लोगों को क्या पसंद आता है, ये अच्छी तरह समझते हैं। मैं उनके निर्देशन के लिए बहुत उत्साहित हूं। वह दर्शकों को अच्छी तरह समझते हैं और उनकी पसंद के हिसाब से फिल्म बनाते हैं।

एक्ट्रेस ने कहा, जब मुझे मस्ती 4 का ऑफर मिला, तो मैंने उसके लिए तुरंत हामी भर ली। मस्ती एक बड़ी और प्रसिद्ध फिल्म सीरीज है जिसकी अपनी एक पहचान है, और उसका हिस्सा बनकर मैं बहुत खुश हुई। यह फिल्म एक शानदार कलाकारों की टीम, एक ऐसा निर्देशक जो फिल्म और दर्शकों को समझता है, और जिसमें मजाक-मस्ती मुख्य बात है, ये सब मिलकर फिल्म को बहुत मजेदार बनाते हैं। कुल मिलाकर, यह मेरे लिए एक बेहतरीन मौका है।

उन्होंने आगे कहा, मुझे याद है कि मैंने अपने दोस्तों के साथ ग्रैंड मस्ती देखी थी और हम बहुत जोर-जोर से हंसे थे।

कॉमेडी करना मुश्किल होता है। कॉमेडी में सही टाइमिंग पकड़ना उनके लिए कितना मुश्किल है? इस सवाल पर रुही ने कहा, मुझे खुद पर हंसने में कोई डर नहीं लगता। मैं अपनी निजी जिंदगी में मजाकिया और हंसमुख हूं।

मैं जानती हूं कि कॉमेडी करना सबसे मुश्किल होता है, इसलिए मैं खुद पर काम कर रही हूं। मैं बहुत सारी कॉमेडी फिल्में देख रही हूं, खासकर राजपाल यादव और परेश रावल की फिल्में। साथ ही, मैं अपने एक्टिंग टीचर के साथ लगातार अभ्यास कर रही हूं ताकि कॉमेडी की सही टाइमिंग समझ सकूं।

नानी ने शुरू की द पैराडाइज की शूटिंग

साउथ स्टार नानी की आगामी फिल्म द पैराडाइज' अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। इस फिल्म को लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं और फिल्म से जुड़ी हर एक अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। श्रीकांत ओडेला के निर्देशन में बन रही इस फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है।

नानी की मच अवेटेड फिल्म द पैराडाइज' के फैंस के लिए खुशखबरी है। इस फिल्म की शूटिंग अब शुरू हो चुकी है। फिल्म की शूटिंग में अब आज नानी भी शामिल हो गए हैं। आज नानी का शूटिंग पर पहला दिन था। बीते एक हफ्ते में टीम ने फिल्म की कहानी में बचपन के किरदारों से जुड़े हिस्से की शूटिंग की है। द पैराडाइज' नानी और निर्देशक श्रीकांत ओडेला की दूसरी फिल्म है। हैदराबाद में 40 दिन का शेड्यूल जारी है, जिसमें लीड कास्ट के साथ कुछ अहम सीन शूट किए जा रहे हैं।

मेकर्स की ओर से फिल्म से जुड़ी एक तस्वीर शेयर की गई है। सोशल मीडिया पर इस तस्वीर को शेयर करते हुए लिखा गया है धगड़ आ गया है।' इस तस्वीर में किसी का चेहरा नहीं दिख रहा है। सिर्फ एक पैर दिख रहा है। जिसमें पैंट और काले जूते नजर आ रहे हैं। जूतों में एक ब्रेसलेट जैसा कुछ पड़ा हुआ है। सामने एक शहर और कुछ झुग्गी झोपड़ियां नजर आ रही हैं।

द पैराडाइज' 26 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। फिल्म को हिंदी समेत कुल आठ भाषाओं तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम, बांग्ला, इंग्लिश और स्पेनिश में रिलीज किया जाएगा।

एक्टर नानी की बात करें तो वो इसी साल रिलीज हुई फिल्म हिट 3' में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके साथ श्रीनिधि शेट्टी प्रमुख भूमिका में नजर आई थीं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी और इसे दर्शकों व क्रिटिक्स दोनों ने सराहा था।

डिजिटल क्रांति की कथा सुनाने लगे गांव

ज्योतिरादित्य सिंधिया,
केंद्रीय संचार मंत्री

आज गलवान और सियाचिन जैसे दुर्गम इलाकों में तैनात हमारे सैनिक इंटरनेट की तेज स्पीड के साथ पूरी दुनिया से जुड़ रहे हैं। जो कभी बर्फीली खामोशियों में रहते थे, वे अब हाई-स्पीड इंटरनेट से संवाद कर रहे हैं। देश के पूर्वोत्तर का व्यापारी वैश्विक बाजार तक पहुंच रहा है, तो छत्तीसगढ़ के जंगलों में रहने वाले छात्र ऑनलाइन पढ़ाई से अपने सपनों को ऊंची उड़ान दे रहे हैं। यह सिर्फ कनेक्टिविटी नहीं, मनोबल बढ़ाने वाली क्रांति है।

यह बदलाव अचानक नहीं आया है, यह उस संकल्प की परिणति है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2014 में 'लास्ट माइल कनेक्टिविटी' के रूप में लिया था। बीते 11 वर्षों में दूरसंचार क्षेत्र में लिए गए ऐतिहासिक निर्णयों ने एक नई डिजिटल क्रांति को जन्म दिया, जो न केवल शहरों को, बल्कि गांवों, सीमाओं व जंगलों को भी जोड़ रही है। आज, जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है, तो इस यात्रा में मजबूत दूरसंचार तंत्र व भरोसेमंद इंटरनेट कनेक्टिविटी एक सशक्त उत्प्रेरक की भूमिका निभा रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने सिर्फ तकनीकी विकास नहीं, बल्कि तकनीक के माध्यम से जन-सशक्तीकरण का नया अध्याय रचा है। भारत के दूरसंचार और इंटरनेट उपयोग में पिछले 11 वर्षों में आई क्रांति का अनुमान इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि प्रति उपयोगकर्ता डाटा खपत 2014 में जहां 61 एमबी हुआ करती थी, आज 2025 में 21.5 जीबी हो चुकी है। मेगाबाइट से गीगाबाइट तक की यह वृद्धि 'डिजिटल इंडिया' की नींव बन रही है। मात्र 11 साल में ब्रॉडबैंड कनेक्शन में 1,449 फीसदी की अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई, जिसकी संख्या आज 95 करोड़ है। मार्च 2014 से मार्च 2025 तक भारत में टेलीफोन कनेक्शन की संख्या 93.3 करोड़ से बढ़कर 120.167 करोड़ हो गई है, जिसमें मोबाइल उपयोगकर्ताओं की संख्या 115.786 करोड़ है। आज भारत, विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता बन चुका है। यहां बिकने वाले 99.2 प्रतिशत मोबाइल देश में ही बनते हैं। एक समय था, जब एक जीबी डाटा के लिए उपभोक्ताओं को 268.97 रुपये चुकाने पड़ते थे, लेकिन आज वह मात्र 9.34 रुपये में उपलब्ध है, यानी 96 प्रतिशत की अभूतपूर्व गिरावट हमारे 'सर्वव्यापी कनेक्टिविटी' को शक्ति दे रही है।

ग्यारह साल पहले प्रधानमंत्री मोदी ने जब देश की बागडोर संभाली, तब भारत के लाखों गांव इंटरनेट कनेक्टिविटी से अछूते थे। प्रधानमंत्री जानते थे कि यदि भारत को 21वीं सदी में वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभानी है, तो प्रत्येक गांव, पंचायत और कस्बे को डिजिटल रूप से सशक्त बनाना होगा। इसी दृष्टि से 'भारत नेट परियोजना' शुरू की गई, जो विश्व की सबसे बड़ी ग्रामीण टेलीकॉम कनेक्टिविटी परियोजना है। इसके पहले चरण में 2.14 लाख ग्राम पंचायतों को ब्रॉडबैंड से जोड़ा जा चुका है, अगले चरण में और 2.64 लाख ग्राम पंचायतों को डिजिटल नेटवर्क से जोड़ने का लक्ष्य है। इन उपलब्धियों से भारत में एक विशाल डिजिटल हाईवे का निर्माण हुआ है, जिसके लाभ आज देश के हर कोने में महसूस किए जा रहे हैं।

दूरसंचार का महत्व केवल फोन, टीवी या कंप्यूटर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह परिवर्तन का एक सशक्त उपकरण बन चुका है। जन-धन, आधार और मोबाइल (जैम) ट्रिनिटी ने डिजिटल वित्तीय समावेशन में क्रांतिकारी बदलाव किए हैं। आज इसी डिजिटल हाईवे के माध्यम से भारत वैश्विक डिजिटल पेमेंट्स में 46 प्रतिशत योगदान दे रहा है, जो देश की तकनीकी क्षमताओं और जन-सहभागिता का सशक्त प्रमाण है।

ट्रैफिक के बढ़ते दबाव के अनुरूप इस सरकार ने लगातार तकनीकी नवाचार करते हुए देश की इंटरनेट कनेक्टिविटी को आधुनिक व सक्षम बनाए रखा है। इस प्रयास के केंद्र में है हमारा स्वदेशी संचार नायक- बीएसएनएल। 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के तहत सरकार द्वारा किए गए ठोस प्रयासों के फलस्वरूप यह एक बार फिर मजबूती से उभर रहा है। 17 वर्षों में पहली बार इसने लगातार दो वित्तीय तिमाही में शुद्ध लाभ दर्ज किया है। देश भर में 93,000 से अधिक 4जी टावर की स्थापना के साथ बीएसएनएल अपने उपयोगकर्ताओं को सुलभ और निर्बाध 4जी कनेक्टिविटी उपलब्ध करा रहा है, वह भी पूर्ण स्वदेशी तकनीक के माध्यम से। बीबीएसएनएल ने महज 22 महीनों में देश का पहला पूर्ण स्वदेशी 4जी स्टैक विकसित किया, जिससे भारत उन पांच देशों की सूची में शामिल हो गया है, जो यह तकनीकी आत्मनिर्भरता प्राप्त कर चुके हैं। जनता के इस भरोसे और समर्थन ने बीएसएनएल को यह ऐतिहासिक सफलता दिलाई है, जो 'डिजिटल इंडिया' के आत्मनिर्भर संचार तंत्र की एक बड़ी उपलब्धि है। इसी संचार क्रांति की अगली कड़ी में अब डाक विभाग भी तकनीक और सेवा के क्षेत्र में एक नई भूमिका निभा रहा है। एक समय था, जब डाक विभाग को केवल पत्र लाने-ले जाने तक सीमित माना जाता था, पर आज यह विभाग ग्रामीण भारत की जीवन-रेखा के रूप में उभर रहा है। 1.6 लाख से अधिक डाकघरों के व्यापक नेटवर्क के साथ इसे एक सशक्त लॉजिस्टिक्स और सेवा प्रदाता संगठन के रूप में बदला जा रहा है।

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के माध्यम से बैंकिंग सेवाएं अब देश के कोने-कोने तक पहुंच चुकी हैं। यह बदलाव इतना व्यापक है कि अब 'डाकिया डाक लाया' की पारंपरिक छवि की जगह 'डाकिया बैंक लाया' की नई पहचान ने ले ली है। यह परिवर्तन सिर्फ सेवा का नहीं, बल्कि सशक्तीकरण का माध्यम बन गया है, जहां ग्रामीण भारत को अब शहरों की ओर देखने की जरूरत नहीं, बल्कि गांव अब डिजिटल भारत की गति को संबल दे रहे हैं। सरकार डाक विभाग को देश की आर्थिक आधारशिला का हिस्सा बनाते हुए इसे एक वित्तीय महाशक्ति के रूप में स्थापित करने की दिशा में तेजी से अग्रसर है।

ग्रामीण विकास के प्रति मोदी सरकार की प्रतिबद्धता का ही यह परिणाम है कि गांव में बैठे-बैठे आम जनता सुविधाजनक तरीके से न सिर्फ सरकारी सुविधाओं का लाभ ले पा रही है, बल्कि राष्ट्र के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही है। युवाओं को उच्च शिक्षा के लिए अब बड़े शहरों पर आश्रित नहीं होना पड़ता, क्योंकि उनके गांव में सुलभ मजबूत कनेक्टिविटी और ऑनलाइन कक्षाएं उनके लिए नित नए द्वार खोल रही हैं। व्यापारियों को अब बैंकों के चक्कर नहीं काटने पड़ते, क्योंकि इंटरनेट के माध्यम से सभी लेन-देन और हिसाब ऑनलाइन ही हो जाता है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देश को डिजिटल कनेक्टिविटी में विश्व-स्तरीय सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए प्रतिबद्ध रही है और पिछले 11 वर्ष इसकी अभूतपूर्व सफलता के गवाह रहे हैं।

नंदमुरी बालकृष्ण- गोपीचंद मालिनेनी के साथ अगली फिल्म की घोषणा

जनता के भगवान नंदमुरी बालकृष्ण लगातार ब्लॉकबस्टर फिल्मों के साथ आगे बढ़ रहे हैं। बालकृष्ण की 111वीं फिल्म की आधिकारिक घोषणा की गई। फिल्म एनबीके111 को ब्लॉकबस्टर निर्माता गोपीचंद मालिनेनी द्वारा निर्देशित किया जाएगा, और यह वीरा सिम्हा रेड्डी जैसी हिट फिल्म के बाद उनका दूसरा सहयोग है। वेंकट सतीश किलारू जो वर्तमान में पेड्डी जैसी पैन इंडिया फिल्म बना रहे हैं, वे वृद्धि सिनेमा बैनर पर उच्च बजट के साथ बड़े पैमाने पर नई परियोजना को वित्तपोषित करेंगे।

घोषणा पोस्टर में एक उग्र शेर की भयंकर छवि दिखाई गई है। उसका आधा चेहरा धातु की ढाल से ढका हुआ है, जबकि दूसरा आधा खुला और जंगली है। यह आकर्षक छवि उस किरदार की गहन द्वंद्व और कच्ची शक्ति का प्रतीक है जिसे बालकृष्ण इस फिल्म में निभाने वाले हैं।

निर्देशक गोपीचंद मालिनेनी, जो बड़े पैमाने पर और व्यावसायिक मनोरंजन में अपनी विशेषज्ञता के लिए जाने जाते हैं, पहली बार ऐतिहासिक क्षेत्र में काम करेंगे। वह बालकृष्ण के लिए एक अभूतपूर्व अवतार तैयार कर रहे हैं, जिसमें एक महाकाव्य कहानी है जो भव्यता, इतिहास और उच्च-ऑक्टेन एक्शन को मिलाने का वादा करती है। स्क्रिप्ट, जिसे शक्तिशाली और अद्वितीय दोनों बताया गया है, वर्तमान में प्री-प्रोडक्शन के अंतिम चरण में है।

हालांकि मुख्य कलाकार और निर्देशक की आधिकारिक तौर पर पुष्टि हो चुकी है, लेकिन बाकी कलाकारों और तकनीकी टीम की घोषणा बाद में की जाएगी।

सू- दोकू क्र.11

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.10 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

भारत का आम नवाबी, जुनून का प्रतीक रहा है जो इसे खास बनाता है

अजय दीक्षित

सन 1811में पुर्तगाली कमांडर अल्फांसो ने आम की एक किस्म रत्नागिरी जिले के जंगलों में देखी और उसने उस आम के किस्म क्राफ्टिंग की तो जो आम पेड़ पर लगा उसे अल्फांसो नाम दिया गया। अंतराष्ट्रीय मार्केट में इस आम की कीमत 3000रुपए प्रति किलो तक बिकती है। लेकिन भारत में आम की उपस्थिति 6000 साल से है क्योंकि महाभारत काल में इसका उल्लेख है। बताया जाता है कि ईसा से 600 वर्ष पहले भगवान बुद्ध को एक युवती ने आम का बगीचा भेंट किया था और बुद्ध ने उसे आम्रपाली नाम दिया ।

मुगल शासन में अबु फ़सल ने लिखा था कि सलीम लंगड़े पर मत रो वह भी खास होकर आम है। इस तरह लंगड़ा भी आम की एक किस्म है । इंस्टीट्यूट ऑफ पाइलियों बॉटनी लखनऊ के प्रोफेसर पंत कहते हैं कि भारत में आम की उत्पत्ति का इतिहास बहुत पुराना है लेकिन मुगल शासन में आम को खूब संरक्षण मिला ।

उत्तर प्रदेश का मलीहाबादी , लखनवी, बनारसी, आम सुप्रसिद्ध है। दशहरी गांव से चला आम आज पूरे भारत का सबसे अधिक उत्पादन वाली आम की किस्म है। भारत में टोटपरी, दशहरी,लंगड़ा, केसर,बादाम,फाजली और मुगल बादशाह हुमायूं का चौसा, सफेदा, अल्फांसो, हापुश,सहित किस्मों के आम पाए जाते हैं।आम से आमरस, आमचूर, मांगोसेक, आम पापड़ बनाए जाते हैं।आम का आचार इस पद्धति का उपयोग सारे भारत में किया जाता है।

बताया जाता है कि ब्रिटिश ने भारत के आम को पहले इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड, मिडिल ईस्ट में पहुंचा दिया था।

भारत में लखनऊ और दक्षिण भारत विजय वाडा बहुत बड़े आम केंद्र हैं।असम, पश्चिमी बंगाल, कर्नाटक,भी आम की अनेक किस्में उत्पादन करते हैं।यहां पर पूरे उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, केरल, तेलंगाना,से आम आते है भारत संसार सबसे बड़ा आम उत्पादन 30 लाख मैट्रिक टन वाला देश है। इसके अलावा आम किस्म भारत के हर जिले में होती है।जो स्थानीय स्तर पर बिकती है, आचार डाला जाता है और तो और औषधि मेभी उपयोग किया जाता है।

उत्तर प्रदेश में मेरठ, मजफ़्फर नगर, हापुड़, सीतापुर, मलिहाबाद, लखनऊ, बाराबंकी,सहित कई जिले आम निर्यात भी करते हैं।एक बार शाहजहां ने दख्खन के नबाब औरंगजेब को इस लिए बंदी बनाया था कि उसने हैदराबादी, हापुस आम दिल्ली नहीं भेजे थे।भारत में आम उत्पादन में लखनऊ के नवाबों ने खालिस दिलचस्पी ली वे प्रति वर्ष आम उत्पादन से जुड़े लोगों की प्रतियोगिता कराते थे और सम्मानित भी करते थे। लखनऊ के अंतिम नबाब वाजिद अली शाह के बारे में वाइस राव वारिंग हेस्टिंग को यह शिकायत दर्ज कराई गई कि बादशाह आम और आम्रपाली के साथ ही रहता है

सनातन धर्म में आम के पेड़ का विशेष महत्व है।हवन में आम की लकड़ी का इस्तेमाल किया जाता है।शुभ कार्यों में बंदनवार में आम के पत्ते बांधे जाते हैं।आजादी के बाद कृषि वैज्ञानिकों ने आम की विभिन्न किस्मों को उन्नत शील बनाया । काश्तकारों को प्रशिक्षण भी दिया गया। पेस्टिसाइज के उपयोग भी हुए । पंत विश्वविद्यालय ने आम की खेती को व्यवसाय बनाया ।बताते हैं कि मलिहाबाद में एक पेड़ में छह टन आम उत्पादन होता है।जो राष्ट्रिय औसत से अधिक है।

हिमालय की तराई वाले क्षेत्र हरिद्वार, रुड़क बिजनौर, मजफ़्फर नगर,मेरठ,हापुड़, अलीगढ़,मोदी नगर,में आम की अच्छी खासी खेती होती है। आधे जून,जुलाई में आम की आवक अधिकतम होती है अब तो इन आमों को कोल्डस्टोरेज में भी रखा जाता है। भारत, पाकिस्तान आम के सबसे बड़े निर्यातक देश हैं।

मुख्यमंत्री ने किया फिल्म '5 सितम्बर' का पोस्टर लॉन्च

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने फिल्म '5 सितम्बर' का पोस्टर लॉन्च किया। आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में हिंदी फिल्म '5 सितम्बर' का पोस्टर लॉन्च किया। यह फिल्म पूर्णत: उत्तराखंड में फिल्माई गई है तथा राज्य की सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य और स्थानीय प्रतिभा को राष्ट्रीय पटल पर प्रदर्शित करने का सशक्त प्रयास है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड फिल्म निर्माण का पसंदीदा गंतव्य बन रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार फिल्म नीति के तहत हर संभव सहयोग प्रदान कर रही है, ताकि अधिक से अधिक निर्माता-निर्देशक उत्तराखंड की धरती पर फिल्म निर्माण करें और राज्य के युवाओं को रोजगार और मंच प्राप्त हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार की फिल्में न केवल उत्तराखंड की प्रतिभा को प्रोत्साहित करती हैं, बल्कि पर्यटन एवं सांस्कृतिक संवर्धन में भी सहायक सिद्ध होती हैं। उन्होंने फिल्म निर्माण टीम को शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि यह फिल्म दर्शकों के मन को छूने में सफल होगी। इस अवसर पर फिल्म के डायरेक्टर कुनाल शमशेर मल्ला, कलाकार संजय मिश्रा, ब्रिजेंद्र काला, ऋषभ खन्ना, भुवन खन्ना और दीपराज राणा मौजूद थे।

दो दुपहिया वाहन चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दो स्थानों से दो दुपहिया वाहन चोरी कर लिये। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार बसुन्द्रा एन्क्लेव निवासी रोहित बजाज ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह जीएमएस रोड स्थित जिम में गया था। उसने अपनी स्कूटी जिम के बाहर खडी की थी। जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। वहीं खुडबुडा निवासी पुनीत चौहान ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह डाक्टर के क्लीनिक में गया था तथा उसने अपनी मोटरसाईकिल क्लीनिक के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह वापस आया तो उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

शराब के साथ पांच गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ पांच लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रानीपोखरी थाना पुलिस ने गुजराडा तिराहे के पास से एक व्यक्ति को 50 पव्वे शराब के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने अपना नाम दिनेश कुमार पुत्र गंगा राम निवासी शिवाजी नगर ऋषिकेश बताया। वहीं डोईवाला कोतवाली पुलिस ने एक एक्टिवा सवार को रोक कर उसकी तलाशी ली तो एक्टिवा से 13 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। जिसने अपना नाम विकास कर्णवाला पुत्र विनोद कर्णवाला निवासी मोहित विहार कालोनी बताय। इसके साथ ही डोईवाला कोतवाली पुलिस ने 52 पव्वों के साथ जीवनवाला निवासी अखिल शर्मा को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने दो लोगों को 86 पव्वे शराब के साथ गिरफ्तार किया। जिन्होंने अपने नाम निखिल जाटव व शैलेश कुमार पटेल बताये।

दो नाबालिग लापता

संवाददाता

देहरादून। दो नाबालिगों के लापता होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार रामपुर चोईला निवासी महिला ने सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी नाबालिग बेटी स्कूल गयी थी लेकिन वापस नहीं आयी उसको उसने सभी सम्भावित स्थानों पर तलाश किया लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। वहीं शंकरपुर निवासी व्यक्ति ने सहसपुर थाने में अपनी नाबालिग बेटी के लापता होने का मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी।

'टेलीकॉम कंपनियां शैडो एरिया में अपना नेटवर्क स्थापित करें'

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकार सविन बंसल के निर्देशों पर अपर जिलाधिकारी (एफआर) केके मिश्रा की अध्यक्षता में जिला टेलीकॉम कमेटी की बैठक हुई। जिसमें जनपद देहरादून के अंतर्गत टेलीकॉम टावर, दूरसंचार व 4जी मोबाइल सेचुरेशन और ब्रॉडबैंड मिशन परियोजना के क्रियान्वयन को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए। अपर जिलाधिकारी ने टेलीकॉम कंपनियों को निर्देशित किया कि रजिस्ट्रेशन एक्ट की धारा-17 के अंतर्गत सभी लीज एंड लाइसेंस को अनिवार्य रूप से पंजीकृत किया जाए। दूरस्थ क्षेत्रों में सभी शैडो एरिया जहां नेटवर्क नहीं है वहां पर टेलीकॉम कंपनियां अपना नेटवर्क स्थापित करना सुनिश्चित करें। अपर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि टेलिकॉम कंपनियों द्वारा भवन एवं भूमि पर स्थापित किए जा रहे मोबाइल टावरों की संरचना स्थिरता प्रमाण पत्र दें कि मोबाइल टावर मजबूती के साथ स्थापित किया गया है और इससे कोई खतरा नही है।

निर्माण कार्यो के चलते नेटवर्क लाइन क्षतिग्रस्त होने से नेटवर्क बाधित होने की समस्या पर अपर जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य करने से पूर्व कार्यदायी संस्थाओं को सीबीयूडी (कॉल बिफोर यू डिग) पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य है। ताकि नेटवर्क कंपनियों को पहले से इसकी जानकारी रहे और नेटवर्क लाइन क्षतिग्रस्त होने पर तत्काल उसको ठीक किया जा सके। उन्होंने निर्माणदायी रेखीय विभागों और टेलीकॉम कंपनियों को निर्माण कार्यों को तालमेल के साथ पूरा करने के निर्देश दिए।

इस दौरान बीएसएनएल के अधिकारियों ने बताया कि भारत नेट फेज योजना के अंतर्गत जनपद के 04 विकास खंडों की पंचायतों में फाइबर कनेक्टिविटी व ब्राडबैंड लगाने का काम पूरा कर लिया गया है। जबकि कालसी और चकराता में कार्य किया जाना बाकी है। बैठक में बीएसएनएल, रिलायंस जिओ आदि टेलिकॉम कंपनियों सहित विभिन्न निर्माणदायी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

राज्य आंदोलनकारी रविन्द्र जुगरान ने एल टी चयनितों को दिया समर्थन

संवाददाता

देहरादून। राज्य आंदोलनकारी रविन्द्र जुगरान ने 94 दिनों से अपनी नियुक्ति की मांग पर धरने पर बैठे एलटी चयनित अभ्यार्थियों को अपना समर्थन दिया।

आज यहां शिक्षा निदेशालय ननूरखेड़ा में पिछले 94 दिनों से अपनी नियुक्ति की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे एल टी चयनितों को आज वरिष्ठ राज्य आंदोलनकारी रविन्द्र जुगरान ने अपना समर्थन दिया। जुगरान ने कहा कि चयनित अभ्यर्थियों के साथ अन्याय हो रहा है और वो लंबे समय से संघर्षरत हैं। जुगरान ने कहा कि वे चयनितों की नियुक्ति के लिए यथासंभव हर प्रयास करेंगे। धरना देने वालों में अजय जोशी, जगदीश रावत, विकास मिश्रा, आनंद भट्ट, रोहित, विमल, रमेश पांडेय, तनवीर, राहुल, अतुल, शैलेन्द्र, रीना, राधा, रश्मि, प्रियंका, रिद्धि, डिम्पल आदि मौजूद थे।

गोर्खाली महिला हरितालिका तीज उत्सव मेले का होगा भव्य आयोजन

संवाददाता

देहरादून। गोर्खाली महिला हरितालिका तीज उत्सव मेले का भव्य आयोजन किया जायेगा।

आज यहां रविवार 2025 को महेंद्र ग्राउंड ,गढी कैंट में होने जा रहा है। इस वर्ष की कार्यक्रम अध्यक्षा श्रीमती सविता क्षेत्री ने बताया कि मातृशक्तियाँ इस भव्य मेले को सफल बनाने की तैयारियों में जुटी हुई हैं। बैठकों के साथ-साथ प्रचार प्रसार की कई टीमें अलग अलग क्षेत्रोंमें जा रही हैं।

इस मेले में अपनी संस्ष्कृति एवं लोकनृत्य की कला को दर्शाने हेतु रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी होता है, जिनका चयन ऑडिशन द्वारा किया जाता है। सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रस्तुतियों के चयन हेतु आडीशन होंगे। ऑडिशन द्वारा चयनित बेहतरीन ग्रुप ही 24 अगस्त 2025 को मंच पर अपनी लोकनृत्य की छटा बिखेरेगें। सांस्कृतिक सचिव श्रीमती उपासना थापा एवं बुद्धिमान

थापा सांस्कृतिक कार्यक्रम की तैयारियों में जुट गये हैं।

मीडिया प्रभारी देविन शाही ने बताया कि कई सांस्कृतिक ग्रुपों के आवेदन आ चुके हैं। आवेदक टीमों में से ही बेहतरीन टीमों का चयन किया जायेगा। ऑडिशन 10 अगस्त 2025 दिन रविवार समय 11:00बजे से तीन बजे तक स्थान गोर्खाली सुधार सभा मानेकशॉ सभागार, ऑडिशन वाले दिन ही 'तीज क्वीन' एवं 'तीज प्रिंसेस' के प्रतिभागी आवेदकों का रजिस्ट्रेशन भी होगा। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों से आई हुई रंगारंग पारंम्परिक लोककला को दर्शाने वाली तीज टोलियों का आवेदन भी इसी दिन रजिस्ट्रेशन द्वारा स्वीकृत होंगे।

इस बैठक में सूर्य बिक्रम शाही, श्रीमती गोदावरी थापली, श्रीमती प्रभा शाह, श्रीमती कमला थापा, श्रीमती प्रमिला खत्री, श्रीमती विनीता क्षेत्री, श्रीमती पूजा सुब्बाचंद, श्रीमती ज्योति कोटिया, श्रीमती निर्मला थापा, श्रीमती संध्या थापा, श्रीमती सरोज गुरुंग, श्रीमती माया पंवार, श्रीमती मधु खनाल, श्रीमती कविता माहुर, एनबी खत्री उपस्थित थे।

धामी सरकार मनाएगी एक लाख करोड़ की ग्राउंडिंग का उत्सव

संवाददाता

देहरादून। इन्वेस्टर समिट के दौरान उद्योग समूहों के साथ हुए एमओयू अब जमीन पर उतर रहे हैं, इस आयोजन के बाद उत्तराखंड में अब तक एक लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश धरातल पर उतर चुका है।

आज यहां उत्तराखंड सरकार की ओर से दिसंबर 2023 में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के दौरान उद्योग समूहों के साथ हुए एमओयू अब जमीन पर उतर रहे हैं, इस आयोजन के बाद उत्तराखंड में अब तक एक लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश धरातल पर उतर चुका है।

इसी मौके को एतिहासिक बनाने के लिए, राज्य सरकार की ओर से शनिवार को रुद्रपुर में उत्तराखंड निवेश उत्सव आयोजित किया जा रहा है। देश में पहली बार किसी राज्य सरकार द्वारा, निवेश के उपरांत इस तरह के आयोजन के जरिए निवेश की असल स्थिति जनता के सामने रखी जा रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में स्पोर्ट्स स्टेडियम रुद्रपुर में

❑देश में पहली बार सफल निवेश का विवरण प्रस्तुत करने का उदाहरण

दोपहर 12 बजे से होने वाले इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह होंगे। जिसमें उत्तराखंड के विभिन्न क्षेत्रों में नए स्थापित उद्योगों के प्रतिनिधियों के साथ ही अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद होंगे।

इस आयोजन मे जरिए राज्य सरकार उत्तराखंड में निवेश के माहौल को प्रोत्साहित करना चाहती है। ताकि अधिक से अधिक निवेशक उत्तराखंड का रुख करें, इससे राज्य में आर्थिक गतिविधि तेज होने के साथ ही रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

विदित है कि दिसंबर 2023 के दौरान देहरादून में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के दौरान कुल 3,57,693 करोड़ के 1779 एमओयू साइन किए गए थे। जिससे राज्य में 81,327 नए रोजगार पैदा होने की उम्मीद है। इन एमओयू के आधार पर राज्य में अब तक एक लाख करोड़ रुपए की ग्राउंडिंग हो चुकी है। दिसंबर 2023 में आयोजित इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जबकि समापन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने किया था।

ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के दौरान उद्योग समूहों के साथ जो भी निवेश संबंधित समझौते किए गए थे वो अब तेजी से धरातल पर उतर रहे हैं। इससे उत्तराखंड में रोजगार के नए अवसर भी पैदा हो रहे हैं। हम उद्योग स्थापित करने के लिए हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। मजबूत आधार भूत सुविधाएं, शांत वातावरण से उत्तराखंड निवेशकों की पसंद बनकर उभरा है।

चुनाव पर आसमानी आफत का साया

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में होने वाले त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए 24 जुलाई को पहले दौर का मतदान होना है। मौसम विभाग द्वारा अगले 4 दिनों में आसमान से भारी आफत बरसने की संभावना जताते हुए शासन-प्रशासन को हाई अलर्ट पर रहने की चेतावनी दी गई है।

राज्य में 24 जुलाई को सुबह 7 बजे से पहले दौर के दिए मतदान कराया

❑राज्य में 24 जुलाई तक भारी बारिश का अलर्ट, बिजली गिरने व भूस्खलन की संभावना

जाना है। जबकि दूसरे दौर का मतदान 28 जुलाई को होना है। 24 जुलाई को होने वाले मतदान के लिए पोलिंग पार्टियों को 23 जुलाई शाम तक पहुंच कर मतदान की तैयारियां करनी होगी लेकिन 22 जुलाई से लेकर 24 जुलाई तक पूरे राज्य में कहीं भारी से भी भारी और कहीं भारी बारिश की संभावना मौसम विभाग के निदेशक डॉ. विक्रम सिंह द्वारा जताई गई है। उनका कहना है कि 22-23 जुलाई को राजधानी दून से लेकर अल्मोड़ा और पिथौरागढ़ तक अत्यधिक बारिश की संभावना है। राज्य के 5-6 जिलों में भारी से भी भारी बारिश की संभावना है तथा भूस्खलन और आकाशीय बिजली गिरने की घटनाएं भी होने की संभावना है।

उनका कहना है कि अभी बहुत सही तौर पर यह आकलन नहीं हो सकता है कि 23-24 को कैसा मौसम रहेगा लेकिन फिलहाल इसमें सुधार की कोई गुंजाइश दिखाई नहीं दे रही है। अनुमान यही है कि 23-24 तक तो अत्यधिक खराब मौसम रहना तय है। उनका कहना है कि अगले सप्ताह मानसून अपने पीक पर रहेगा तथा ऐसी स्थिति में इसका पंचायत चुनाव व मतदान पर भी गंभीर असर पड़ सकता है।

रैट्रो साइलेंसर लगे 10 दोपहिया वाहन सीज

हमारे संवाददाता

पौड़ी। चारधाम यात्रा और कांवड़ यात्रा के दौरान रैट्रो साइंलेसर लगाकर दुपहिया वाहन चलाने वाले 10 चालकों के वाहनों को पुलिस ने सीज कर दिया है।जानकारी के अनुसार बीते रोज कोतवाली श्रीनगर पुलिस द्वारा अलग-अलग टीमों का गठन कर लगातार संघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था।

चैकिंग के दौरान पुलिस टीमों द्वारा ऐसे 10 दोपहिया वाहन चालकों जिनके वाहनों में रैट्रो एवं मॉडिफाइड साइलेंसर लगे पाए गए सभी की मोटरसाइकिलों को सीज कर चालकों के खिलाफ आवश्यक चालानी कार्यवाही की गई है। श्रीनगर पुलिस की यह कार्यवाही श्रद्धालुओं एवं आमजन की सुरक्षा तथा शांतिपूर्ण यात्रा सुनिश्चित करने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास माना जा रहा है।

अगस्त में मिलेगा हल्द्वानी को एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियमः आर्या

संवाददाता

हल्द्वानी। खेल मंत्री रेखा आर्या ने हल्द्वानी के गौलापार में मानसखंड खेल परिसर में बन रहे एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम का निरीक्षण करते हुए कहा कि अगले माह हल्द्वानी को अंतर्राष्ट्रीय स्तर का एस्ट्रा टर्फ हॉकी स्टेडियम मिल जायेगा।

आज यहां खेल मंत्री रेखा आर्या ने हल्द्वानी के गौलापार में मानसखंड खेल परिसर में बन रहे एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम का निरीक्षण करते हुए कहा कि अगले महीने हल्द्वानी को अंतरराष्ट्रीय स्तर का एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम मिलने जा रहा है। स्टेडियम का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है।

उन्होंने बताया कि स्टेडियम में सभी सुविधाएं अंतरराष्ट्रीय स्तर की बनाई जा रही हैं और निर्माण कार्य अपने अंतिम

चरण में है। इस अवसर पर खेल मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि हॉकी स्टेडियम बन जाने के बाद क्षेत्रीय खिलाड़ी यहां नियमित रूप से अभ्यास और प्रशिक्षण ले सकेंगे।

खेल मंत्री ने कहा कि उत्तराखंड को देवभूमि के साथ-साथ खेल भूमि बनाने की दिशा में यह स्टेडियम एक नया आयाम है। उन्होंने कहा जिस तरह से प्रदेश के सभी शहरों और कस्बों में खेल सुविधाएं लगातार बढ़ाई जा रही है, इससे निश्चित रूप से खेल जगत में उत्तराखंड के खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

गुण्डा एक्ट के तहत पांच लोग जिलाबदर

संवाददाता

देहरादून। अपराधिक घटनाओं में लिप्त पाये गये पांच लोगों को जिला मजिस्ट्रेट के आदेश पर गुण्डा एक्ट के तहत पुलिस ने जिलाबदर किया।

आज यहां जिला मजिस्ट्रेट देहरादून सविन बसंल ने आपराधिक मामलों में संलिप्त 05 लोगों के विरूद्व गुण्डा नियंत्रण अधिनियम की धारा 3(3) के अंतर्गत कडी कार्रवाई करते हुए जिले से दरबदर कर दिया है। यह कार्रवाई फरीद हुसैन थाना नेहरू कालोनी, आदित्य त्यागी व आसिफ थाना विकासनगर, प्रदुमन थापा एवं शादाब अंसारी थाना रायपुर देहरादून के विरूद्व की गई है। आपराधिक मामलों में संलिप्त इन 5 को गुण्डा घोषित करते हुए 06 माह की अवधि के लिए जनपद की सीमा से बाहर रहने के आदेश जारी किए गए है। साथ ही इन पांचों को जनपद से बाहर रहने पर अपने निवास स्थान का पूरा पता जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय एवं थानाध्यक्ष को उपलब्ध कराना भी आवश्यक किया गया है। धारा 3,4,5 या 6 के अधीन पारित आदेशों का उल्लंघन करने पर कठोर कारावास जो तीन वर्ष तक हो सकता है परंतु 06 माह से कम नही होगा, के दण्ड और जुर्माना दोनों का भी भागी होगा। आदेश की प्रति आरोपी को तामील कर 24 घंटे के अंदर जनपद छोड़ने और इसकी अनुपालन आख्या न्यायालय को उपलब्ध कराने के भी आदेश जारी किए गए है।

उपरोक्त पर लोगों के साथ मारपीट, गाली गलौच व सरकारी संपत्ति का नुकसान पहुंचाने की घटनाओं में संलिप्त रहे तथा संबंधित थाना क्षेत्रान्तर्गत अपराधिक घटना को अंजाम दे चुके है। वर्तमान समय में जमानत पर है और वर्तमान समय में भी अपराधिक कृत्यों में सक्रिय है। विपक्षी के विरूद्व संबंधित थानों में पूर्व में भी मुकदमें पंजीकृत है। जो थाना क्षेत्रान्तर्गत लूटपाट करने, अवैध रूप से शस्त्र रखने का अभ्यस्त है। पूर्व में अपराधों में संलिप्त है। और वर्तमान में जमानत पर है। जिससे आम जनता में भय का माहौल है। विपक्षी को नोटिस की तामीली किस्म दोयम अमल में लायी गई है। विपक्षी नियम तिथियों पर न्यायालय में उपस्थित नही हुआ है। और नही विपक्षी द्वारा आपत्ति प्रस्तुत की गई है। जांच एवं पत्रावली में मौजूद साक्ष्यों एवं विधि व्यवस्थाओं के आधार पर न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट ने 05 लोगों को गुण्डा नियंत्रण अधिनियम की धारा 3(3) के अंतर्गत जनहित में गुण्डा घोषित करते हुए 06 माह की अवधि के लिए जिले की सीमा से बाहर रहने के आदेश जारी किए है।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।